



सागर परकिर्मा

प्रलिमिंस के लिये:

सागर परकिर्मा, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, पाक खाड़ी योजना, मत्स्य पालन और एकवाकलचर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (FIDF)।

मेन्स के लिये:

भारत में मत्स्य पालन क्षेत्र की स्थिति, भारत में मत्स्य क्षेत्र से संबंधित चुनौतियाँ।

चर्चा में क्यों?

मत्स्य विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय और राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड ने 19 फरवरी, 2023 को सूरत, गुजरात में [सागर परकिर्मा](#) चरण III कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्रमुख बडि:

- इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मत्स्य पालन से संबंधित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी का प्रसार करना, सतत संतुलन पर ध्यान देने के साथ उत्तरदायित्वपूर्ण मत्स्य पालन को बढ़ावा देना और समुद्री पारस्थितिक तंत्र की सुरक्षा करना है।
- इस कार्यक्रम के पहले चरण की शुरुआत मार्च 2022 को मांडवी से की गई थी और इसका समापन 6 मार्च, 2022 को पोरबंदर, गुजरात में हुआ था।
- इस अवसर पर मछुआरों और मत्स्य पालन से जुड़े लोगों में [किसान क्रेडिट कार्ड](#) वितरित किये गए थे।
- साथ ही सतपती मछली बाज़ार का उद्घाटन अत्याधुनिक मानकों के अनुरूप किये जाने की भी घोषणा की गई थी।

सागर परकिर्मा:

- परचिय:**
 - यह सभी मछुआरों, मत्स्य किसानों और संबंधित हतिधारकों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिये पूर्व-नरिधारित समुद्री मार्ग के माध्यम से सभी तटीय राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में आयोजित की जाने वाली एक नेवगिशन यात्रा है।
- महत्त्व:**
 - यह राष्ट्र की [खाद्य सुरक्षा](#) और तटीय मछुआरा समुदायों की आजीविका एवं समुद्री पारस्थितिक तंत्र की सुरक्षा हेतु समुद्री मत्स्य संसाधनों के उपयोग के साथ स्थायी संतुलन पर ध्यान केंद्रित करेगा।

भारत में मत्स्य क्षेत्र की स्थिति:

- परचिय:**
 - भारत विश्व में जलीय कृषि के माध्यम से मछली का उत्पादन करने वाला दूसरा प्रमुख देश है।
 - भारत विश्व में मछली नरियातक चौथा सबसे बड़ा देश है क्योंकि यह वैश्विक मछली उत्पादन में 7.7% का योगदान देता है।
 - इसके अलावा भारत दुनिया में अंतरदेशीय मछली उत्पादन में पहले स्थान पर और समग्र मछली उत्पादन में तीसरे स्थान पर है।
 - वर्तमान में यह क्षेत्र देश में 2.8 करोड़ से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है।
- मत्स्य क्षेत्र से संबंधित पहल:**
 - [प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना](#)
 - [पाक खाड़ी योजना](#)
 - [मत्स्यपालन और एकवाकलचर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड \(FIDF\)](#)
- भारत के मत्स्य क्षेत्र से संबंधित चुनौतियाँ:

- अवैध, असूचित और अनियमिति (Illegal, Unreported and Unregulated- IUU) मत्स्य पालन: **IUU मत्स्यन** भारत के मत्स्य क्षेत्र में एक बड़ी समस्या है और अक्सर इसका पता नहीं चल पाता है।
 - IUU माध्यम द्वारा मछली पकड़ने से **मछलियों के स्टॉक में गिरावट** आ सकती है और यह वैध मछुआरों को भी हानि पहुँचा सकता है।
- **इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी:** भारत में मत्स्य पालन क्षेत्र में **कोल्ड स्टोरेज, प्रसंस्करण सुविधाओं और परिवहन** जैसे पर्याप्त बुनियादी ढाँचे का अभाव है, जिसके परिणामस्वरूप मत्स्य उत्पादन के बाद नुकसान उठाना पड़ता है और उच्च मूल्य वाले बाजारों तक पहुँच सीमित हो जाती है।
- **क्रेडिट तक सीमित पहुँच:** भारत में छोटे पैमाने के मछुआरे अक्सर क्रेडिट हासिल करने के लिये संघर्ष करते हैं, जो व्यवसायों में निवेश करने और आजीविका में सुधार करने की उनकी क्षमता में बाधा डालता है।
- **जलवायु परिवर्तन:** जलवायु परिवर्तन भारत के मत्स्य क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है, जिससे मछली वितरण में परिवर्तन हो रहा है और मछली प्रजनन दर प्रभावित हो रही है।
- यह **चक्रवात और बाढ़** जैसी प्राकृतिक आपदाओं के जोखिम को भी बढ़ाता है, जो मछली पकड़ने वाली नौकाओं और **बुनियादी ढाँचे** को नष्ट कर सकता है।

आगे की राह

- **नरिंतर मछली पकड़ने की प्रथाओं को बढ़ावा देना:** सरकार मत्स्यन की अत्याधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देकर एवं अत्यधिक मछली पकड़ने से बचने हेतु कोटा और प्रतिबंध व्यवस्था सुनिश्चित कर स्थायी मत्स्यन की प्रथाओं को बढ़ावा दे सकती है। इससे **मछली के स्टॉक को दीर्घावधि** तक बनाए रखने के साथ मछुआरों की आजीविका की रक्षा करेगा।
- **IUU मत्स्य पालन वनियमों को सुदृढ़ करना:** सरकार को **अवैध, असूचित और अनियमिति** मत्स्यन की घटनाओं को रोकने के लिये नियमों को मज़बूत करना चाहिये। इसमें मछली पकड़ने वाली नौकाओं की उपग्रह नगिरानी और उल्लंघन करने वालों के लिये दंड जैसे उपाय शामिल हो सकते हैं।
- **बुनियादी ढाँचे का विकास:** कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं, प्रसंस्करण संयंत्रों और परिवहन जैसे बुनियादी ढाँचे में निवेश से मत्स्य उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार होगा तथा नुकसान को कम किया जा सकेगा।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न: किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत किसानों को निम्नलिखित में से किस उद्देश्य के लिये अल्पकालिक ऋण सुविधा प्रदान की जाती है? (2020)

1. कृषि संपत्तियों के रखरखाव के लिये कार्यशील पूंजी
2. कंबाइन हार्वेस्टर, ट्रैक्टर और मर्नि ट्रक की खरीद
3. खेतहिर परिवारों की उपभोग आवश्यकता
4. फसल के बाद का खर्च
5. पारिवारिक आवास का निर्माण एवं ग्राम कोल्ड स्टोरेज सुविधा की स्थापना

निम्नलिखित कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1, 2 और 5
- (b) केवल 1, 3 और 4
- (c) केवल 2, 3, 4 और 5
- (d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (b)

प्रश्न. 'नीली क्रांति' को परिभाषित करते हुए भारत में मत्स्य पालन की समस्याओं और रणनीतियों को समझाइये। (मुख्य परीक्षा- 2018)

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)